TEAMING TOGETHER

NIITTR CHANDIGARH

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

सेक्टर 26, चंडीगढ़

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

डेयरी फ़ार्मिंग, गौशाला प्रबंधन एवं जैविक कृषि द्वारा विकसित भारत का संकल्प

24 – 25 जुलाई 2026

पशुपालन एवं कृषि भारतीय जीवनशैली का मुख्य आधार रहा है और वर्षों से पूरे देश में ज्यादातर लोग कृषि एवं पशुपालन से जुड़े हैं। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार भारत विश्व में कई फसलों के उत्पादन जैसे दालें, मसाले, जुट, दूध एवं मिलेट्स (मोटे अनाज) उत्पादन में प्रथम स्थान पर, चावल, गेहूं, फल, सब्जी एवं गन्ना उत्पादन में द्वितीय स्थान पर है और हरित क्रांति एवं श्व क्रांति के जरिए ही संभव हुआ हैं।

लेकिन पिछले चार पाँच दशकों में भारतीय पशुपालक जर्सी एवं एचएफ गायों की तरफ बढ़े थे व देशी गायों को अनदेखा कर दिया था। परन्तु पिछले 5 - 7 वर्षों में मानव स्वास्थ्य की प्रधानता में रखते हुए देसी गायों के उत्पादों (A2 दूध, A2 घी) की मांग को देखते हुए कुछ पशुपालक देसी गायों की तरफ मुड़ रहे हैं। देसी गायों के दूध एवं घी की कीमत काफी बढ़ गई हैं।

बहुत से किसान देशी भैंसों जैसे जाफराबादी, मुहरा या अन्य स्थानीय भैंसों पर विशेष रूप से निर्भर हैं और इन नस्लों द्वारा उनके माना में दूध उत्पादन का कार्य कर रहे हैं।

लेकिन कृषि जगत जिसमें पशुपालन भी शामिल है, इससे पूरे विश्व का लगभग 18 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन हो रहा है। यह एक चिंता का विषय हैं।

आज जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखकर कार्बन उत्सर्जन कम करने की बात हो रही हैं।

कृषि में कार्बन उत्सर्जन के पांच प्रमुख घटक हैं :

1. जुगाली करने वाले पशुओं से उत्सर्जन
2. धान की खेती
3. रासायनिक खाद, कीटनाशकों का उपयोग
4. पशु अवशेष का प्रबंधन
5. कृषि अवशेष का जलाना

- हमामें से दो प्रमुख घटक डेयरी पशुओं के पालन तंत्र से एवं पशु पालन के गोबर एवं अन्य अवशेषों के कुप्रबंधन से निकलने वाले मीथेन एवं कार्बन इाइ आँक्साइड के उत्सर्जन से जुड़े हैं।

यदि इस पशु पालन व डेयरी उद्योग को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ अधिक तरीके से करें तो सतत विकास के साथ साथ कार्बन उत्सर्जन में कमी ला सकते हैं और भारतीय किसान वैश्विक स्वीधैकक करग्ने बाजार से कार्बन केडिट्स का अतिरिस्त लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

शोध-पत्र हेतु दिशा-निर्देश

- प्रतिभागी अपने शोध-पत्र एवं मौलिक विचार उपर्युक्त विषयों पर हिंदी या अंग्रेज़ी भाषा में प्रस्तुत कर सकते हैं।
- अधिकतम 300 शब्दों का सार (Abstract) 15 जुलाई 2026 तक भेजा जा सकता है।
- सार स्वीकृति)Abstract Acceptance) की सूचना 20 जुलाई 2026 को प्रदान की जाएगी।
- पूर्ण शोध-पत्र (अधिकतम 3000 शब्द) 22 जुलाई 2026 तक भेजा जा सकता है।

ईमेल : uba@nitttrchd.ac.in

पंजीकरण, आवास एवं भोजन व्यवस्था

- पंजीकृत प्रतिभागियों के लिए संस्थान के हॉस्टल में ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी। इसके लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा।
- यदि कोई प्रतिभागी निटर के गेस्ट हाउस में ठहरना चाहता है, तो वह पंजीकरण के साथ-साथ गेस्ट हाउस की बुकिंग अलग से करवा सकता है। दो व्यक्तियों के लिए शुल्क ₹1770/- निर्धारित है।

आयोजकों के संपर्क विवरण :
98883 97312 | 172 – 2759 569/662

किसान एवं विद्यार्थी
₹826 प्रति प्रतिभागी

किसान एवं छात्र पंजीकरण

उद्यमी एवं शिक्षक
₹1,180 प्रति प्रतिभागी

उद्यमी एवं अध्यापक पंजीकरण

पंजीकरण लिंक : https://forms.gle/9SrvZV1uXQNsqMn97

कार्यशाला संयोजक

डॉ. उपेन्द्र नाथ रॉय | डॉ. प्रशांत योगी

"प्रकृति का वरदान, जैविक खेती और डेयरी फार्म की पहचान।